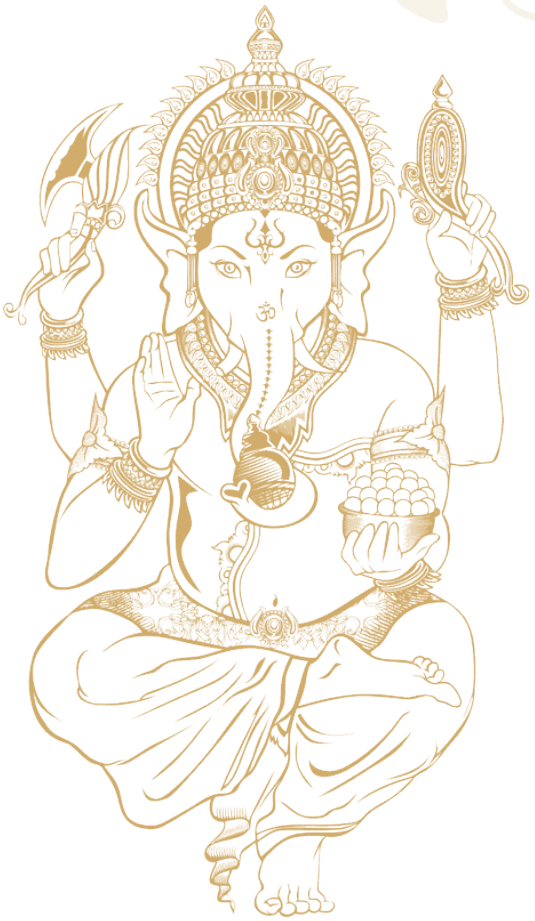

B

14 May 2026

10:30 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121888603

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/05/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**10:30:00 घंटे**
इष्ट	12:26:50 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:08:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:38 घंटे
साम्पातिक काल	01:36:42 घंटे
सूर्योदय	05:31:16 घंटे
सूर्यास्त	19:04:05 घंटे
दिनमान	13:32:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	29:12:05 मेष
लग्न के अंश	08:47:59 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	प्रीति
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दो-दौलत
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	08:47:59	306:51:18	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			मेष	29:12:05	00:57:55	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	उच्च राशि
चंद्र			मीन	22:43:44	14:21:03	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	सम राशि
मंगल			मेष	02:12:21	00:45:24	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
बुध		अ	मेष	28:43:33	02:10:37	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	सम राशि
गुरु			मिथु	26:41:36	00:09:49	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	29:58:50	01:11:59	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	स्वराशि
शनि			मीन	16:20:44	00:06:10	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	11:30:17	00:05:57	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	11:30:17	00:05:57	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	06:48:00	00:03:29	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप			मीन	09:25:13	00:01:37	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
प्लूटो	व		मक	11:16:08	00:00:13	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
दशम भाव			मेष	01:50:39	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:37

लग्न-चलित

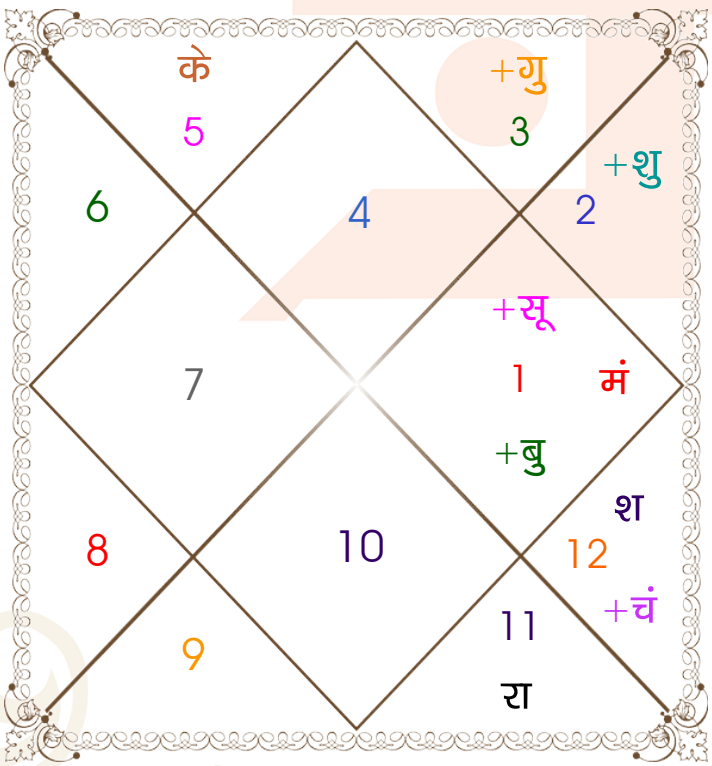

चन्द्र कुंडली

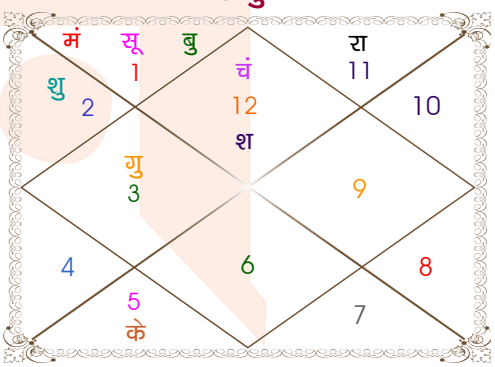

नवमांश कुंडली

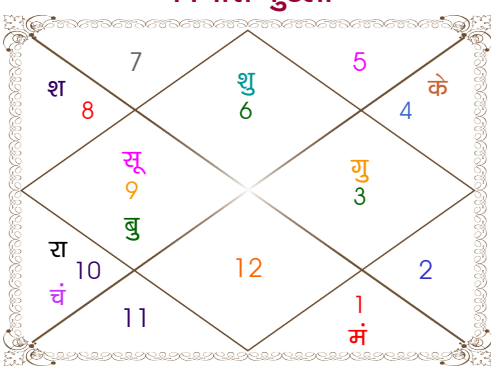

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 9 वर्ष 3 मास 7 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
14/05/2026		21/08/2035		21/08/2042		21/08/2062		20/08/2068	
21/08/2035		21/08/2042		21/08/2062		20/08/2068		21/08/2078	
	00/00/0000	केतु	17/01/2036	शुक्र	20/12/2045	सूर्य	08/12/2062	चंद्र	21/06/2069
	00/00/0000	शुक्र	18/03/2037	सूर्य	20/12/2046	चंद्र	09/06/2063	मंगल	20/01/2070
	00/00/0000	सूर्य	24/07/2037	चंद्र	20/08/2048	मंगल	15/10/2063	राहु	22/07/2071
	14/05/2026	चंद्र	22/02/2038	मंगल	20/10/2049	राहु	08/09/2064	गुरु	20/11/2072
चंद्र	19/02/2027	मंगल	21/07/2038	राहु	20/10/2052	गुरु	27/06/2065	शनि	21/06/2074
मंगल	17/02/2028	राहु	09/08/2039	गुरु	21/06/2055	शनि	09/06/2066	बुध	20/11/2075
राहु	05/09/2030	गुरु	15/07/2040	शनि	21/08/2058	बुध	15/04/2067	केतु	20/06/2076
गुरु	11/12/2032	शनि	24/08/2041	बुध	21/06/2061	केतु	21/08/2067	शुक्र	19/02/2078
शनि	21/08/2035	बुध	21/08/2042	केतु	21/08/2062	शुक्र	20/08/2068	सूर्य	21/08/2078

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
21/08/2078		20/08/2085		22/08/2103		22/08/2119		22/08/2138	
20/08/2085		22/08/2103		22/08/2119		22/08/2138		00/00/0000	
मंगल	17/01/2079	राहु	03/05/2088	गुरु	09/10/2105	शनि	25/08/2122	बुध	17/01/2141
राहु	04/02/2080	गुरु	26/09/2090	शनि	21/04/2108	बुध	04/05/2125	केतु	15/01/2142
गुरु	10/01/2081	शनि	02/08/2093	बुध	28/07/2110	केतु	13/06/2126	शुक्र	14/11/2144
शनि	19/02/2082	बुध	20/02/2096	केतु	04/07/2111	शुक्र	12/08/2129	सूर्य	21/09/2145
बुध	16/02/2083	केतु	09/03/2097	शुक्र	04/03/2114	सूर्य	25/07/2130	चंद्र	15/05/2146
केतु	15/07/2083	शुक्र	10/03/2100	सूर्य	21/12/2114	चंद्र	24/02/2132		00/00/0000
शुक्र	14/09/2084	सूर्य	02/02/2101	चंद्र	21/04/2116	मंगल	03/04/2133		00/00/0000
सूर्य	19/01/2085	चंद्र	03/08/2102	मंगल	28/03/2117	राहु	08/02/2136		00/00/0000
चंद्र	20/08/2085	मंगल	22/08/2103	राहु	22/08/2119	गुरु	22/08/2138		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 9 वर्ष 2 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।